Need for excavation at Pawanagar in Deoria Parliamentary Constituency by Archaeological Survey of India.

श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी (देवरिया): अध्यक्ष महोदय, देवरिया संसदीय क्षेत्र में कुशीनगर एवं पावानगर दो महान् धर्मों के पवित्र स्थान हैं जिनका विस्तार पूर्ण रूप से नहीं हुआ है। कुशीनगर का महत्व पूर्व एरिय की जनता को ज्ञात है, परन्तु पावानगर का महत्व भारत की जनता को भी अच्छी तरह नहीं मालूम है। यहां का बीरभारी टोला भगवान महावीर का स्थल रहा है। ग्यारहवीं लोक सभा में मैंने सांसद विकास निधि से रु.40,000/- (रुपए चालीस हजार) देकर गोरखपुर विश्वविद्यालय की टीम द्वारा खुदाई करवायी थी। इससे जो प्रमाण प्राप्त हुए उससे यह साबित हो गया कि इस टीले में भगवान महावीर की जीवनी से संबंधित अपार निधि छिपी हुई है। एक विकसित आबादी यहां पर स्थित है। जैन धर्म का एक बहुत महत्वपूर्ण स्थान यहां पर था। इस सांस्कृतिक विरासत से जैन धर्म के अनुयाइयों को वंचित नहीं करना चाहिए। कुशीनगर और पावानगर एक दूसरे से 20 कि.मी. की दूरी पर स्थित हैं। इनको विकसित करने से पर्यटन को हमारे क्षेत्र में बहुत बल मिलेगा और क्षेत्र का भी विकास होगा।

आर्केलौजीकल डिपार्टमेंट ने पूर्वी उ.प्र. के इतिहास की तरफ समुचित ध्यान नहीं दिया है। यह इतिहास ऐसा है जो कि अगर उजागर किया जाए तो एक सुन्दर अध्याय को प्रकाश में लाया जा सकता है। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि आर्केलाजीकल विभाग 25 लाख रुपए का आबंटन करे और पावानगर के अवशेों की खुदाई करके अपनी व्यवस्था में भगवान महावीर से जुड़े हुए इस स्थल के बारे में अनुसंधान करे।